उसने हमें भविष्यवक्ता दिए

अध्याय 3

वाचा के लोग

Manuscript

thirdmill

Biblical Education. For the World. For Free.

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ 2021के द्वारा

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी भाग को प्रकाशक, थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़, इनकोरपोरेशन, 316, लाइव ओक्स बुलेवार्ड, कैसलबरी, फ्लोरिडा 32707 की लिखित अनुमति के बिना समीक्षा, टिप्पणी, या अध्ययन के उद्देश्यों के लिए संक्षिप्त उद्धरणों के अतिरिक्त किसी भी रूप में या किसी भी तरह के लाभ के लिए पुनः प्रकशित नहीं किया जा सकता।

पवित्रशास्त्र के सभी उद्धरण बाइबल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया की हिन्दी की पवित्र बाइबल से लिए गए हैं। सर्वाधिकार © The Bible Society of India

थर्ड मिलेनियम के विषय में

1997 में स्थापित, थर्ड मिलेनियम एक लाभनिरपेक्ष सुसमाचारिक मसीही सेवकाई है जो पूरे संसार के लिए मुफ्त में बाइबल आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संसार के लिए मुफ़्त में बाइबल आधारित शिक्षा।

हमारा लक्ष्य संसार भर के हज़ारों पासवानों और मसीही अगुवों को मुफ़्त में मसीही शिक्षा प्रदान करना है जिन्हें सेवकाई के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हुआ है। हम इस लक्ष्य को अंग्रेजी, अरबी, मनडारिन, रूसी, और स्पैनिश भाषाओं में अद्वितीय मल्टीमीडिया सेमिनारी पाठ्यक्रम की रचना करने और उन्हें विश्व भर में वितरित करने के द्वारा पूरा कर रहे हैं। हमारे पाठयक्रम का अनुवाद सहभागी सेवकाइयों के द्वारा दर्जन भर से अधिक अन्य भाषाओं में भी किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में ग्राफिक वीडियोस, लिखित निर्देश, और इंटरनेट संसाधन पाए जाते हैं। इसकी रचना ऐसे की गई है कि इसका प्रयोग ऑनलाइन और सामुदायिक अध्ययन दोनों संदर्भों में स्कूलों, समूहों, और व्यक्तिगत रूपों में किया जा सकता है।

वर्षों के प्रयासों से हमने अच्छी विषय-वस्तु और गुणवत्ता से परिपूर्ण पुरस्कार-प्राप्त मल्टीमीडिया अध्ययनों की रचना करने की बहुत ही किफ़ायती विधि को विकसित किया है। हमारे लेखक और संपादक धर्मवैज्ञानिक रूप से प्रशिक्षित शिक्षक हैं, हमारे अनुवादक धर्मवैज्ञानिक रूप से दक्ष हैं और लक्ष्य-भाषाओं के मातृभाषी हैं, और हमारे अध्यायों में संसार भर के सैकड़ों सम्मानित सेमिनारी प्रोफ़ेसरों और पासवानों के गहन विचार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त हमारे ग्राफिक डिजाइनर, चित्रकार, और प्रोडयूसर्स अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग करने के द्वारा उत्पादन के उच्चतम स्तरों का पालन करते हैं।

अपने वितरण के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए थर्ड मिलेनियम ने कलीसियाओं, सेमिनारियों, बाइबल स्कूलों, मिशनरियों, मसीही प्रसारकों, सेटलाइट टेलीविजन प्रदाताओं, और अन्य संगठनों के साथ रणनीतिक सहभागिताएँ स्थापित की हैं। इन संबंधों के फलस्वरूप स्थानीय अगुवों, पासवानों, और सेमिनारी विद्यार्थियों तक अनेक विडियो अध्ययनों को पहुँचाया जा चुका है। हमारी वेबसाइट्स भी वितरण के माध्यम के रूप में कार्य करती हैं और हमारे अध्यायों के लिए अतिरिक्त सामग्रियों को भी प्रदान करती हैं, जिसमें ऐसे निर्देश भी शामिल हैं कि अपने शिक्षण समुदाय को कैसे आरंभ किया जाए।

थर्ड मिलेनियम a 501(c)(3) कारपोरेशन के रूप में IRS के द्वारा मान्यता प्राप्त है। हम आर्थिक रूप से कलीसियाओं, संस्थानों, व्यापारों और लोगों के उदार, टैक्स-डीडक्टीबल योगदानों पर आधारित हैं। हमारी सेवकाई के बारे में अधिक जानकारी के लिए, और यह जानने के लिए कि आप किस प्रकार इसमें सहभागी हो सकते हैं, कृपया हमारी वैबसाइट http://thirdmill.org को देखें।

विषय-वस्तु

परिचय......1
वाचा में मानवजाति......1
मुख्य विषय......1
आदम......2
नूह......3
भविष्यवक्ता की निर्भरता......4
राष्ट्रों का पाप......4
राष्ट्रों के लिए छुटकारा......4
इस्राएल के साथ वाचा......5
अब्राहम......6
मुख्य विषय......6
भविष्यवक्ताओं की निर्भरता......6
मूसा......7
मुख्य विषय......7
भविष्यवक्ता की निर्भरता......7
दाऊद......8
मुख्य विषय......8
भविष्यवक्ताओं की निर्भरता......8
नई वाचा......8
वाचा में उद्धार......9
वाचा से बाहर......10
दृष्टिगोचर वाचा......10
अदृश्य वाचा......12
उपसंहार......15

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

उसने हमें भविष्यवक्ता दिए

अध्याय तीन

वाचा के लोग

परिचय

मुझे निश्चय है कि आपने उस पासवान के बारे में उस पुराने चुटकुले को सुना होगा जिसने कहा था, “यह नौकरी बहुत अच्छी होती अगर यह लोगों के लिए नहीं होती।” जीवन के बहुत से क्षेत्रों में ऐसा होता है। जिंदगी बहुत अच्छी होती अगर हमें कुछ लोगों का सामना नहीं करना पड़ता, परन्तु सच्चाई यह है कि हम ऐसे लोगों से भाग नहीं सकते। जीवन हमारे आस-पास के लोगों के साथ व्यवहार ही है। और पुराने नियम के लोगों के साथ भी ऐसा ही था।

इसी कारण हमने इस अध्याय का शीर्षक दिया है, “वाचा के लोग।” हम तीन धारणाओं का अवलोकन करेंगे; पहली, मानवजाति और वाचा- पुराने नियम के भविष्यवक्ता परमेश्वर और सब लोगों के बीच वाचायी संबंध को किस प्रकार देखते हैं?; दूसरी, इस्राएल और वाचा- वाचायी संबंध के माध्यम से लोगों को क्या विशेष भूमिका मिली? और फिर अंत में, उद्धार और वाचायी संबंध। आइए सबसे पहले हम देखें कि पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने संपूर्ण मानवजाति को परमेश्वर के साथ वाचा में कैसे समझा।

वाचा में मानवजाति

एक बात जो हम लोगों के बारे में जानते हैं वह यह है कि वे एक-दूसरे से भिन्न हैं। हम अलग-अलग संस्कृतियों से आते हैं और हम सबके व्यक्तित्व भी अलग-अलग हैं। हम यह भी जानते हैं कि कुछ ऐसी बातें भी हैं जो सब लोगों में एक समान होती हैं। हम सबको भूख लगती है। हम सबको मित्र की जरूरत होती है। हम सब कर चुकाते हैं। और भविष्यवक्ता भी यह जानते थे कि यह सब लोगों के विषय में भी सही था। वे समझ गए थे कि पृथ्वी की अलग-अलग जातियों से प्रभु अलग-अलग रीति से व्यवहार करता है क्योंकि परमेश्वर ने इस्राएल को अपने खास लोगों के रूप में चुना था। परन्तु इसके साथ-साथ भविष्यवक्ता यह भी जानते थे कि परमेश्वर ने पृथ्वी की सारी जातियों के साथ वाचा बांधी थी।

हमारे अध्याय के इस भाग में हम इन सार्वभौमिक वाचाओं की जांच करेंगे और यह भी देखेंगे कि भविष्यवक्ताओं ने पृथ्वी की जातियों के समक्ष इन वाचाओं को कैसे प्रस्तुत किया। हालांकि भिन्न-भिन्न मसीही वाचाओं को अलग-अलग रूप में समझते हैं, परन्तु यह कहना सुरक्षित है कि अनेक मसीही परंपराओं ने पुराने नियम में पांच मुख्य वाचायी घटनाओं को देखा है। इन घटनाओं ने बाइबल के इतिहास को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है। पांच अलग-अलग समयों पर प्रतिनिधियों के माध्यम से अपने और अपने लोगों के बीच वाचाओं को स्थापित किया है। ये प्रतिनिधी थे- आदम, नूह, अब्राहम, मूसा और दाऊद।

मुख्य विषय

पुराने नियम की पहली दो वाचाएं, आदम और नूह के साथ की गई वाचाएं, दूसरों से अलग हैं क्योंकि वे सार्वभौमिक वाचाएं थीं। ये वे वाचाएं थीं जो परमेश्वर और सारी मनुष्यजाति के बीच स्थापित की गई थीं। वे

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

किसी खास लोगों के लिए नहीं बल्कि सब लोगों के लिए थीं। उन्होंने परमेश्वर और हर मनुष्य के बीच स्थाई व्यवस्थाओं को स्थापित किया। इन सार्वभौमिक वाचाओं ने पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं को परमेश्वर के वाचायी दूतों के रूप में सेवा करने में महत्वपूर्ण धर्मविज्ञानी दिशा-निर्देश प्रदान किए। जब हम इन सार्वभौमिक वाचाओं की जांच करते हैं, तो हम दो अलग-अलग विषयों को देखेंगे : पहला, इन सार्वभौमिक वाचाओं के केन्द्रिय विषय क्या थे? और दूसरा, भविष्यवक्ताओं की सेवकाई इन वाचाओं पर कैसे निर्भर थी? आइए पहले आदम और नूह के साथ स्थापित वाचाओं के मुख्य विषयों को देखें।

आदम

बाइबल की पहली वाचा वह वाचा है जो परमेश्वर ने आदम के साथ स्थापित की थी। अब इस वाचा को पारंपरिक रूप से "कार्यों की वाचा" के रूप में जाना जाता है। हमारे समय में अनेक धर्मविज्ञानी मानते हैं कि हमें इसे वाचा नहीं कहना चाहिए, और यह इसलिए कि उत्पत्ति 1-3 के बीच "वाचा" शब्द का इस्तेमाल भी नहीं हुआ है। और यह भी कि आदम के साथ स्थापित वाचा में कार्यों से बढ़कर बहुत कुछ शामिल है। इसे शायद सरल भाषा में एक "प्रबन्ध/व्यवस्था" कहना बेहतर होगा जो परमेश्वर ने अपने और आदम के बीच की। परन्तु आदम के दिनों में परमेश्वर ने कुछ स्तम्भ खड़े किए जो बाइबल के संपूर्ण इतिहास में प्रभावशील रहे हैं।

आदम के दिनों में कम से कम तीन स्तम्भ स्थापित किए गए थे जो बाइबल के पूरे इतिहास में बने रहे हैं। ये स्तम्भ थे, मानवीय जिम्मेदारी, मानवीय भ्रष्टाचार और मानवीय छुटकारा। पहला, परमेश्वर ने आदम के समय में मानवीय जिम्मेदारी को स्थापित किया। परमेश्वर ने इस संसार में मानवजाति को अपने स्वरूप में रचा, और जब परमेश्वर ने उत्पत्ति 1:26 में मनुष्यों के बारे में कहा, तो उसने ये शब्द कहे :

> हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे... अधिकार रखें। (उत्पत्ति 1:26)

सारे मनुष्य परमेश्वर की स्वरूप में हैं और इसलिए इस संसार में उसके राजत्व का प्रतिनिधित्व करने के प्रति जिम्मेदार हैं। मनुष्यों को इस पृथ्वी के हर हिस्से में इस प्रकार से अपने जीवन को जीना है कि उसके द्वारा परमेश्वर को सम्मान मिले। और पवित्रशास्त्र के हर भाग के साथ भविष्यवक्ता समझ गए थे कि हर जाति के सब लोगों को आदम के समय से ही यह जिम्मेदारी मिली है।

इससे बढ़कर आदम के साथ बिठाई गई व्यवस्था ने यह स्थापित किया कि मनुष्य जाति भ्रष्ट हो गई थी। जैसे कि बाइबल का संपूर्ण इतिहास हमें स्पष्ट रूप से बताता है, उत्पत्ति 3 की घटनाएं आदम और हव्वा के जीवन से अलग नहीं थीं। जैसे कि रोमियों की पत्री अध्याय 5 में सिखाती है, आदम के पाप के कारण सारी मानवजाति पापी हो गई और परमेश्वर के दण्ड के अधीन हो गई। भविष्यवक्ताओं को यह समझने में कहीं दूर देखना नहीं पड़ा कि संसार की जातियां अपने सृष्टिकर्ता से दूर हो गईं, और इसके साथ-साथ उसके स्वरूप के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को भी भूल गईं।

इससे बढ़कर, आदम के साथ बिठाई गई उस व्यवस्था ने मानवजाति के लिए छुटकारे की एक आशा को भी स्थापित किया। उत्पत्ति 3:15 में परमेश्वर ने उस दुष्ट सर्प को श्राप दिया जिसने आदम और हव्वा की परीक्षा ली थी। वहां उसने प्रतिज्ञा दी कि एक दिन हव्वा का वंशज सर्प के सिर को कुचल डालेगा। पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने समझ लिया था कि अंत में इस पृथ्वी की सारी जातियों में सारी दुष्टता और मृत्यु पर विजय प्राप्त कर ली जाएगी। मानवीय जिम्मेदारी, भ्रष्टता, और छुटकारे के इन आधारभूत स्तम्भों ने संपूर्ण

इतिहास में पारस्परिक दैवीय और मानवीय क्रियाओं की संरचना को स्थापित किया। वे अब पूरी मनुष्यजाति के लिए हैं।

नूह

आइए अब परमेश्वर और नूह के बीच स्थापित दूसरी सार्वभौमिक वाचा के मुख्य विषयों की ओर मुड़ें। सरल रूप में कहें तो परमेश्वर ने आदम के साथ बिठाई व्यवस्था को आगे बढ़ाया, परन्तु इसके साथ-साथ भौतिक ब्रह्मांड की स्थिरता को भी शामिल किया। बाढ़ के बाद परमेश्वर ने यह दिखाने के लिए अपने धनुष को बादलों में रखा कि वह मनुष्यजाति को हर बार पाप करने के तत्काल बाद ही दण्ड नहीं देगा। इसकी अपेक्षा परमेश्वर ने एक व्यवस्था बिठाई जिसमें वह हमारे पापों के प्रति धैर्य रखेगा। जैसा कि परमेश्वर उत्पत्ति 8:22 में कहा :

> अब से जब तक पृथ्वी बनी रहेगी, तब तक बोने और काटने के समय, ठंड और तपन, धूपकाल और शीतकाल, दिन और रात, निरन्तर होते चले जाएंगे। (उत्पत्ति 8:22)

परमेश्वर ने प्राकृतिक स्थिरता की यह प्रतिज्ञा क्यों की? उसकी मुख्य चिंता क्या थी? नूह के समय में दी गई ब्रह्मांड की स्थिरता के कम से कम दो मुख्य कारण हैं। पहला, परमेश्वर मनुष्यजाति के साथ अपने धैर्य को रख रहा था। यह उद्देश्य उत्पत्ति 8:21 में स्पष्ट दिखाई देता है :

> इस पर यहोवा ने सुखदायक सुगन्ध पाकर सोचा, कि मनुष्य के कारण मैं फिर कभी भूमि को शाप न दूंगा, यद्यपि मनुष्य के मन में बचपन से जो कुछ उत्पन्न होता है सो बुरा ही होता है; तौभी जैसा मैं ने सब जीवों को अब मारा है, वैसा उनको फिर कभी न मारूंगा। (उत्पत्ति 8:21)

यह पद हमें बताता है कि परमेश्वर ने मनुष्य जाति की संपूर्ण भ्रष्टता को पहचान लिया और हर बार हमारे पाप करने पर संसार को नष्ट न करने के द्वारा हमारे प्रति धैर्य रखने का निश्चय किया।नूह की वाचा में प्रकृति की स्थिरता का दूसरा उद्देश्य भी स्पष्ट है। परमेश्वर ने हमें एक व्यवस्थित संसार दिया है ताकि हम हमारी मानवीय नियति को उसके स्वरूप के रूप में सेवा करके पूरा कर सकें। उत्पत्ति 9:1 बताता है कि जलप्रलय के बाद परमेश्वर ने नूह, जो सब लोगों का पिता था, से बात की, और उसने ये शब्द कहे :

> फूलो-फलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ... मैं अब तुम्हें सब कुछ देता हूँ। (उत्पत्ति 9:1,3)

इन शब्दों के आधार पर उसने पहले उत्पत्ति 1 में आदम से बात की, परमेश्वर ने पुनः उसके स्वरूप के रूप में सेवा करने की सारी जातियों की जिम्मेदारी की पुष्टि की। अतः हम देखते हैं कि परमेश्वर ने मानवजाति के लिए धैर्य रखने और स्थिर संसार प्रदान करने की प्रतिज्ञा की ताकि पृथ्वी की सभी जातियां उसके स्वरूप के रूप में सेवा कर सकें।

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

बाइबल की पहली वाचाओं के मुख्य विषय लगभग एक-समान हैं। आदम के साथ परमेश्वर ने जिम्मेदारी, भ्रष्टता, और छुटकारे के स्तम्भ स्थापित किए। नूह के साथ उसने इन सिद्धांतों को दैवीय धीरज और परमेश्वर के स्वरूपों के रूप में हमारी मानवीय नियति के पुनः पुष्टिकरण के साथ जारी रखा।

भविष्यवक्ता की निर्भरता

अब हमें एक दूसरा प्रश्न पूछना है: पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं की सेवकाई किस प्रकार इन सार्वभौमिक वाचाओं पर निर्भर करती है? अब, हमें यह बात माननी होगी कि पुराने नियम के भविष्यवक्ता स्पष्ट रूप से आदम और नूह का उल्लेख प्रायः नहीं करते। अधिकांशतः आदम और नूह की वाचाओं से लिए गए धर्मविज्ञानी दृष्टिकोण अप्रत्यक्ष रूप से पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के कथनों में पाए जाते हैं। शायद वह सबसे महत्वपूर्ण रूप जिसमें भविष्यवक्ता इन वाचाओं पर निर्भर रहते थे, वह था अन्यजातियों के देशों की ओर उनका ध्यान।

परमेश्वर के वाचायी दूतों के रूप में पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने अपना अधिकांश ध्यान इस्राएल राष्ट्र पर लगाया, परन्तु इसके साथ-साथ वे संसार के दूसरे राष्ट्रों को भेजे गए दूत भी थे। जैसा कि परमेश्वर ने यिर्मयाह को बताया जब उसने यिर्मयाह 1:5 में उसे सेवा करने के लिए बुलाया थाः

> मैं ने तुझे जातियों का भविष्यवक्ता ठहराया। (यिर्मयाह 1:5)

भविष्यवक्ताओं ने बार-बार दूसरे राष्ट्रों को संबोधित किया क्योंकि वे आदम और हव्वा की सार्वभौमिक वाचाओं के दूत थे।

राष्ट्रों का पाप

राष्ट्रों के लिए भविष्यवक्ताओं की चिंता दो दिशाओं में प्रवाहित थी। पहला, भविष्यवक्ताओं ने सामान्यतः राष्ट्रों के पापों को दर्शाया और उनके प्रति परमेश्वर के दण्ड की चेतावनी दी। उदाहरणतः, ओबद्याह की पूरी पुस्तक ऐदोम के पापों को दर्शाने और परमेश्वर के दण्ड की घोषणा पर आधारित थी। योना बताता है कि भविष्यवक्ता ने निनवे नगर के लिए भविष्यवाणी की। नहूम ने असीरिया के विरूद्ध परमेश्वर के दण्ड की घोषणा की। अन्य पुस्तकों के अधिकांश भाग इस्राएल के अतिरिक्त अन्य राष्ट्रों के विरूद्ध यहोवा के क्रोध पर केन्द्रित हैं। अनेक अनुच्छेद यह स्पष्ट करते हैं कि भविष्यवक्ता यह मानते थे कि सब पापी हैं और परमेश्वर के दण्ड के अधीन हैं।

राष्ट्रों के लिए छुटकारा

हालांकि भविष्यवक्ताओं के राष्ट्रों को संबोधन में दण्ड का विषय काफी महत्वपूर्ण था, परन्तु हमें एक दूसरा विषय भी याद रखना चाहिए- राष्ट्रों के लिए छुटकारे का विषय। भविष्यवक्ताओं ने पृथ्वी के राष्ट्रों के लिए बड़ी आशीषों के भविष्य की भी बात कही। उनके दृष्टिकोण से भविष्य में हर जाति और भाषा के लिए एक आशा थी। परमेश्वर की योजना यह नहीं थी कि केवल एक राष्ट्र पाप और मृत्यु के प्रभाव से बचे। इसकी अपेक्षा, मानवजाति के लिए उसके मूल प्रारूप की पूर्णता में परमेश्वर सदैव हर राष्ट्र के लोगों को छुटकारा देना चाहता था।

इसी कारणवश, भविष्यवक्ता न केवल महान् आशीष के उस दिन की प्रतीक्षा कर रहे थे जब इस्राएल बंधुवाई से छुड़ाया जाएगा; इसकी अपेक्षा अन्यजाति के राष्ट्रों से भी अनेक लोग बंधुवाई के इस महान्

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

छुटकारे में सहभागी होंगे। उदाहरण के तौर पर, यशायाह 25:6-8 में भविष्यवक्ता ने घोषणा की कि भविष्य में किसी दिन-

> सेनाओं का यहोवा इसी पर्वत पर सब देशों के लोगों के लिये ऐसी जेवनार करेगा... और जो पर्दा सब देशों के लोगों पर पड़ा है, जो घूंघट सब अन्यजातियों पर लटका हुआ है, उसे वह इसी पर्वत पर नाश करेगा। वह मृत्यु को सदा के लिये नाश करेगा। **(यशायाह 25:6-8)**

यिर्मयाह 3:17 में भी ऐसा ही विषय प्रकट होता है:

> सब जातियां उसी यरूशलेम में मेरे नाम के निमित्त इकट्ठी हुआ करेंगी, और, वे फिर अपने बुरे मन के हठ पर न चलेंगी। **(यिर्मयाह 3:17)**

अनेक भविष्यवक्ताओं ने घोषणा की कि वह दिन भी आएगा जब अन्यजाति भी परमेश्वर के विरूद्ध किए अपने विद्रोह से पश्चाताप करेंगे। वे इस्राएल के पास आएंगे और दैवीय दण्ड से उद्धार पाएंगे। अब, निसंदेह मसीही होने के नाते हम जानते हैं कि संसार भर में मसीह के सुसमाचार के प्रचार में यह प्रतिज्ञा पूरी हो गई है। जब मसीह ने प्रेरितों को सारी जातियों में जाने का आदेश दिया, तो वह उन आशावादी आशाओं को पूरा कर रहा था जो पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने पृथ्वी के राष्ट्रों के लिए रखी थीं।

अतः हम देखते हैं कि आदम और हव्वा के दिनों में परमेश्वर ने सार्वभौमिक वाचाएं स्थापित की जो सब लोगों के लिए हैं। परमेश्वर, जो सारे संसार का राजा है, के दूतों के रूप में पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने राष्ट्रों द्वारा परमेश्वर के विरूद्ध किए गए उल्लंघनों की ओर ध्यान आकर्षित किया। परन्तु उन्होंने यह भी घोषणा की कि एक दिन परमेश्वर पृथ्वी की हर जाति और राष्ट्र से लोगों को छुड़ाएगा।हम यह देख चुके हैं कि परमेश्वर ने आदम और नूह में सब लोगों के साथ वाचा बांधी। परन्तु अब हम हमारे ध्यान को परमेश्वर के वाचा के खास लोगों के रूप में इस्राएल की ओर लगाने जा रहे हैं। इस्राएल के राष्ट्र के साथ परमेश्वर ने कौनसी वाचाएं बांधी?

इस्राएल के साथ वाचा

प्रायः मेरा परिवार सेमिनारी के विद्यार्थियों को भोज देता है, परन्तु कई बार सूची इतनी लम्बी हो जाती है कि हम हर एक को व्यक्तिगत रूप से निमंत्रित नहीं कर पाते। इसकी अपेक्षा हम कुछ विशेष विद्यार्थियों को चुनते हैं और वे जाकर सबको निमंत्रण देते हैं। देखा जाए तो परमेश्वर ने भी इस्राएल के साथ ऐसा ही किया। वे उसके विशेष लोग थे, और उसने इस्राएल को विशेष वाचाओं के साथ अपने लिए बुलाया ताकि इस्राएल सब लोगों की सेवा कर सके और सब लोगों को परमेश्वर के पास बुला सके।

आप याद करेंगे कि परमेश्वर ने इस्राएल के साथ तीन मुख्य वाचाएं स्थापित कीं। उसने अब्राहम, मूसा और दाऊद के माध्यम से वाचाएं बांधीं। इन सब वाचाओं ने इस्राएल को न केवल अपने उद्धार के लिए बल्कि पृथ्वी की सारी जातियों के उद्धार के लिए विशेष रूपों में तैयार किया। आइए सबसे पहले अब्राहम के साथ स्थापित वाचा को देखें।

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

अब्राहम

अब्राहम के साथ परमेश्वर की वाचा खास थी क्योंकि यह पहली वाचा थी जिसने इस्राएल को पूरे संसार में परमेश्वर के अनुग्रहकारी छुटकारे को बताने के लिए चुने गए परिवार के रूप में पहचाना। वे ऐसा किस प्रकार करने वाले थे? यहोवा के साथ छुटकारे की वाचा में रहने के द्वारा। सबसे पहले हमें अब्राहम के साथ इस वाचा के मुख्य विषयों को देखना चाहिए, और फिर हम उन मार्गों को देख पाएंगे जिनमें पुराने नियम के भविष्यवक्ता अब्राहम के साथ बांधी वाचा पर निर्भर रहे।

मुख्य विषय

हम अब्राहमीय वाचा को वह कह सकते हैं जिसमें परमेश्वर ने एक विशेष राष्ट्र को चुना। परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में इस्राएल की स्थापना में इस राष्ट्र के लिए परमेश्वर की ओर से दो मुख्य आशीषें शामिल थीं। परमेश्वर ने अब्राहम को अनगिनत वंश और एक विशेष भूमि की प्रतिज्ञा की थी। उत्पत्ति 15 और 17 में अब्राहम के साथ परमेश्वर की वाचा ने इस्राएल को अनेक वंशों के रूप में बढ़ने और भूमि के एक हिस्से पर अधिकार करने का मार्ग दिखाया। अब संख्या में बढ़ना और विशेष भूमि पर अधिकार रखना पूरे संसार में परमेश्वर के राज्य को फैलाने का आरंभिक बिन्दू होना था। इस बिंदू से वंशों और अब्राहम की भूमि ने बाइबल के इतिहास में मुख्य स्थान ले लिया।

भविष्यवक्ताओं की निर्भरता

हम देख चुके हैं कि अब्राहम को अनेक वंशों और एक विशेष भूमि की प्रतिज्ञा की गई थी। और अब हमें यह पूछना चाहिए, पुराने नियम के भविष्यवक्ता अब्राहम के साथ की गई इस वाचा पर कैसे निर्भर रहे? इस वाचा के बारे में उनकी धारणा क्या थी? पुराने नियम के भविष्यवक्ता बार-बार परमेश्वर और अब्राहम के बीच स्थापित वाचा के सिद्धांतों पर निर्भर रहते हैं। इस वाचा का मुख्य महत्व सारे भविष्यवक्ताओं में पाया जाता है। उन्होंने समय-समय पर भूमि की प्रतिज्ञा और अनेक वंशों की प्रतिज्ञा के बारे में बात की है।

उदाहरण के तौर पर, यशायाह 41:8 में भविष्यवक्ता यशायाह इस प्रकार से इस्राएल राष्ट्र का उल्लेख करता है :

> हे मेरे प्रेमी, इब्राहीम के वंश। (यशायाह 41:8)

यशायाह के विचार में इस्राएल राष्ट्र, उसके अपने समय के दौरान भी, अब्राहम की वाचा का आधिकारिक उत्तराधिकारी था। इसी प्रकार होशे अब्राहम के साथ वाचा की ओर संकेत करता है। 1:10 में वह कहता है कि बंधुआई के बाद :

> इस्राएलियों की गिनती समुद्र की बालू की सी हो जाएगी, जिनका मापना-गिनना अनहोना है। (होशे 1:10)

इस प्रकार के संकेत दर्शाते हैं कि भविष्यवक्ता अब्राहम के साथ वाचा पर काफी निर्भर थे। जब कभी भी उन्होंने परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को भूमि देने या उनकी संख्या को बढ़ाने के बारे में कहा, तो उन्होंने उसी वाचा को स्मरण किया जो परमेश्वर ने अब्राहम के साथ की थी। पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं में अब्राहम के

नाम का उल्लेख केवल सात बार हुआ है, परन्तु अब्राहम की वाचा का धर्मविज्ञान उनकी सेवकाइयों में काफी व्याप्त था।

मूसा

अब्राहम के साथ की गई वाचा इस्राएल राष्ट्र की पहली वाचा थी, परन्तु इसके बाद एक और वाचा आई, मूसा के साथ की गई वाचा। हमारे समय में मूसा की वाचा को सदैव सकारात्मक ज्योति में नहीं देखा जाता, परन्तु सत्य से बढ़कर कुछ नहीं होता। मूसा की वाचा मनुष्य जाति के सकारात्मक छुटकारे में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। एक बार फिर हमें मूसा की वाचा के मुख्य विषयों को देखना चाहिए और फिर इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि पुराने नियम के भविष्यवक्ता किस प्रकार इस वाचा पर निर्भर रहते थे।

मुख्य विषय

मूसा के साथ किया गया समझौता परमेश्वर की व्यवस्था पर ध्यान केद्रित करता है। परमेश्वर की व्यवस्था ने इस्राएल में वाचायी जीवन से संबंधित जीवनों को प्रदान किया। यह वाचा सबसे स्पष्ट रूप में निर्गमन 19-24 में प्रकट होती है, जहां वाचा का आरंभ वाचा की पुस्तक और दस आज्ञाओं के साथ हुआ था। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक इस्राएल की वाचा के नवीनीकरण को मूसा की मृत्यु के समय के निकट दर्शाती है। सरल रूप में कहें तो मूसा की वाचा ने वाचायी जीवन के नियमों, अर्थात् उन कानूनों पर ध्यान दिया जो महान् दैवीय सुजरेन की ओर से आशीष या श्राप की ओर अगुवाई करते हैं।

भविष्यवक्ता की निर्भरता

पुराने नियम के भविष्यवक्ता मूसा की वाचा पर किस प्रकार निर्भर थे? पुराने नियम के भविष्यवक्ता मूसा और उसकी व्यवस्था के बहुत ऋणी थे क्योंकि उसकी व्यवस्था ने उन मुख्य स्तरों को प्रदान किया था जिसके द्वारा भविष्यवक्ता इस्राएल राष्ट्र की आलोचना करते थे। भविष्यवक्ताओं ने इस्राएल को मूसा की व्यवस्था के प्रति विश्वासयोग्य रहने में उसकी जिम्मेवारी को स्मरण करवाने के द्वारा वाचा का प्रयोग किया। जैसा कि हम अगले अध्याय में देखेंगे, परमेश्वर के लोगों पर भविष्यवक्ताओं द्वारा घोषित विशेष आशीषें और श्राप भी विशालतः मूसा की वाचा से ही आए थे। भविष्यवक्ता के कार्य के लिए मूसा के नियम मुख्य यन्त्र बन गए थे।

उदाहरण के तौर पर, यशायाह भी यह दिखाना चाहता था कि परमेश्वर के लोग प्रभु के प्रति अविश्वासयोग्य रहे हैं, उसने आधिकारिक स्तर के रूप में मूसा की व्यवस्था से अपील की। जैसा कि उसने यशायाह 5:24 में कहा :

> उन्होंने सेनाओं के यहोवा की व्यवस्था को निकम्मी जाना। (यशायाह 5:24)

मूसा और उसकी व्यवस्था का इस प्रकार का उल्लेख भविष्यवक्ताओं में अनेक बार आता है क्योंकि पुराने नियम के भविष्यवक्ता परमेश्वर के दूत थे जो मूसा की वाचा के उल्लंघन के कार्यों के लिए इस्राएल को जिम्मेदार ठहराते थे।

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

दाऊद

एक राष्ट्र के रूप में इस्राएल को दी गई वाचा दाऊद के साथ की गई वाचा थी। अब्राहम की वाचा वंशों और भूमि पर केन्द्रित थी। मूसा ने भूमि पर रहने के नियमों पर ध्यान दिया। मूसा के बाद परमेश्वर ने इस्राएल के राजा दाऊद के साथ एक विशेष वाचा स्थापित की। एक बार फिर हमें इस वाचा के मुख्य विषयों पर ध्यान देना चाहिए और उसके बाद इस बात पर कि भविष्यवक्ता उन पर किस प्रकार निर्भर रहे।

मुख्य विषय

दाऊद के साथ की गई वाचा के मुख्य विषय क्या थे? दाऊद की वाचा परमेश्वर के लोगों को एक बड़े साम्राज्य के रूप में बनाने पर केन्द्रित थी। दाऊद की वाचा 2शमूएल 7, भजन 89, और भजन 132 में पाई जाती है। ये अनुच्छेद यह स्पष्ट करते हैं कि इस वाचा का एक महत्वपूर्ण पहलू दाऊद के परिवार को परमेश्वर के लोगों पर एक स्थाई शासक स्थापित करना था। दाऊद के परिवार में समस्याएं और विफलताएं तो अवश्य रहीं परन्तु परमेश्वर ने इस परिवार को अपने लोगों पर सदैव तक शासक बनाने के लिए चुना। दाऊद के वंश एक दिन उद्धार के विश्वव्यापी राज्य की स्थापना करेंगे। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि इस वाचा ने परमेश्वर के लोगों को विजय और पृथ्वी पर अधिकार रखने का एक बहुत ही प्रकाशमान भविष्य दिया। और आज मसीही होने के नाते हम हमारे राजा के रूप में यीशु का अनुसरण करते हैं क्योंकि वह दाऊद का अंतिम महान पुत्र, दाऊद का सिद्ध पुत्र था जिसके राज्य का कभी अन्त नहीं होगा।

भविष्यवक्ताओं की निर्भरता

अब हमें दूसरा प्रश्न पूछना चाहिए: भविष्यवक्ता दाऊद के साथ की गई वाचा पर किस प्रकार निर्भर रहे? इस्राएल में सेवा करते हुए पुराने नियम के भविष्यवक्ता दाऊद की वाचा पर प्रायः निर्भर रहे। जहां तक भविष्यवक्ताओं का सवाल है, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की कि अंत में दाऊद का राज्य एक भव्य, विश्वव्यापी राज्य होगा। उन्होंने इस पर बहुत ही मजबूती से विश्वास किया और अनुमान लगाया कि यह भविष्य में किसी एक दिन होगा। उदाहरण के तौर पर आमोस 9:11 में भविष्यवक्ता बंधुवाई के बाद के पुनर्वास का वर्णन इस प्रकार करता है :

> उस समय मैं दाऊद की गिरी हुई झोपड़ी को खड़ा करूंगा, और उसके बाड़े के नाकों को सुधारूंगा, और उसके खण्डहरों को फिर बनाऊंगा, और जैसा वह प्राचीनकाल से था, उसको वैसा ही बना दूंगा। (आमोस 9:11)

पुराने नियम के भविष्यवक्ता कई बार दाऊद की वाचा के बारे में इस प्रकार बात करते हैं। उनकी वाचा उनके लिए इतनी महत्वपूर्ण थी कि वे दाऊद के नाम का चौंतीस बार उल्लेख करते हैं।

नई वाचा

निसंदेह, अगर हम इस बात का उल्लेख नहीं करते कि पुराने नियम के भविष्यवक्ता भविष्य में आने वाली वाचा के प्रति जानकारी रखते थे तो हम लापरवाही करेंगे। मेरे मन में यहां नई वाचा है, जो परमेश्वर ने मसीह के द्वारा स्थापित की। इस नई वाचा के मुख्य विषय क्या थे? नई वाचा की विशेषता को एक शब्द के द्वारा दर्शाया जा सकता है: पूर्णता। अब्राहम, मूसा और दाऊद के साथ पहले की वाचाओं में परमेश्वर के लोगों

को दी गई सभी प्रतिज्ञाएं नई वाचा में पूरी होनी थीं। परमेश्वर के लोगों की संख्या अनगिनत होगी और वे पूरी पृथ्वी में भर जाएंगे। मूसा की व्यवस्था हृदय पर लिखी जाएगी और हृदय से मानी जाएगी। दाऊद का पुत्र, दाऊद का महान् पुत्र, सिंहासन पर सर्वदा के लिए राज्य करेगा।

इस नई वाचा के प्रति भविष्यवक्ता किस प्रकार प्रभावित हुए थे? पुराने नियम के भविष्यवक्ता इस महान् वाचा के लिए लालायित थे। उदाहरण के तौर पर, यिर्मयाह 31:31 में यिर्मयाह ने इस नई वाचा के विषय में कहा:

> फिर यहोवा की यह भी वाणी है, सुन, ऐसे दिन आनेवाले हैं जब मैं इस्राएल और यहूदा के घरानों से नई वाचा बान्धूंगा। (यिर्मयाह 31:31)

यिर्मयाह ने भविष्यवाणी की कि इस्राएल की बंधुआई के दिनों के पश्चात् परमेश्वर नाट्कीय तरीकों में अपनी वाचा को नया करेगा। यहेजकेल भविष्यवक्ता ने भी भविष्य की इस वाचा के बारे में बात की। यहेजकेल 34:25 और 26 में हम इन शब्दों को पढ़ते हैं:

> मैं उनके साथ शान्ति की वाचा बान्धूंगा, और... मैं उन्हें... आशीष का कारण बना दूंगा। (यहेजकेल 34:25, 26)

पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने आगामी अंत समय की महान् वाचा की आशा में परमेश्वर के दूतों के रूप में सेवा की। और जब हम पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के बारे में सीखते हैं, तो हम उन्हें नए नियम की इस वाचा की ओर आशा लगाते हुए बार-बार देखते हैं।

जो वाचाएं परमेश्वर ने इस्राएल के साथ स्थापित कीं उन्होंने पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं की उनके हर कार्य में अगुवाई की। वे समझ गए थे कि इस्राएल राष्ट्र के लिए परमेश्वर के पास एक खास भूमिका है और अब्राहम, मूसा एवं दाऊद और नई वाचा ने भी इस्राएल को उस नई भूमिका में अगुवाई दी। और इसलिए जब भविष्यवक्ताओं ने परमेश्वर के लोगों के बीच सेवा की तो उन्होंने उन वाचाओं की सीमा में रहते हुए ही सेवा की जो परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ स्थापित की थीं।

वाचा के लोगों के इस अध्याय में अब तक हमने देखा है कि पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने सामान्य रूप में मानवजाति के साथ और विशेषकर इस्राएल के साथ परमेश्वर की वाचाओं के दूतों के रूप में सेवा की। पृथ्वी के सभी लोग आदम और नूह की वाचा की सार्वभौमिक वाचाओं के अधीन थे। परन्तु इस्राएली और अन्यजाति के लोग जिन्होंने उनके विश्वास को ग्रहण कर लिया था, वे परमेश्वर के साथ एक विशेष वाचा में बंध गए थे। वे शेष मानवजाति से अलग हो गए थे। इस बिंदू पर हमें वाचा के लोगों के एक अन्य पहलू की ओर देखना जरूरी है। वाचायी समुदाय में भविष्यवक्ताओं ने उद्धार को कैसे समझा?

वाचा में उद्धार

आधुनिक मसीही प्रायः वाचा में उद्धार को समझने में संघर्ष करते हैं क्योंकि हम कुछ विशिष्टताएं पैदा कर देते हैं जिनका अनुसरण भविष्यवक्ताओं ने नहीं किया था। जागृतिवाद के प्रभाव में हम मानवजाति को दो स्पष्ट समूहों में विभाजित कर देते हैं- उद्धार पाए हुए और उद्धार न पाए हुए, या फिर नया जन्म पाए हुए और

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

नया जन्म न पाए हुए। आप मुझे गलत न समझें, यह विभाजन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि लोग या तो उद्धार पाए हुए हैं या फिर उद्धार नहीं पाए हुए, या नया जन्म पाए हुए हैं या नया जन्म नहीं पाए हुए। परन्तु इसके साथ-साथ ये वे श्रेणियां नहीं हैं जिनके विषय में पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने सोचा था।

भविष्यवक्ताओं ने किस प्रकार उद्धार को समझा था इसे समझने का एक सर्वोत्तम तरीका संसार के लोगों को तीन प्रकार के लोगों में विभाजित करना है: पहला, इस्राएल के वाचायी समुदाय से बाहर के लोग; दूसरा, इस्राएल के दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय के लोग; और तीसरा, अदृश्य वाचायी समुदाय के लोग।

वाचा से बाहर

वाचा से बाहर के लोगों की पहली श्रेणी के लोगों पर ध्यान दें। वास्तविकता में, यह लोगों का सबसे स्पष्ट समूह है जिनको भविष्यवक्ताओं ने माना था। ये लोग इस्राएल के साथ की वाचाओं से बाहर के लोग हैं। जब परमेश्वर ने इस्राएल राष्ट्र को चुना और मूसा, अब्राहम और दाऊद के द्वारा उसे विशेष वाचाएं दीं, तो इस्राएल के चयन का अर्थ था कि पृथ्वी के दूसरे राष्ट्र चुने हुए लोगों में नहीं थे। रूत, राहाब जैसे लोगों के कुछ अपवादों को छोड़कर, अन्यजाति के लोग परमेश्वर से दूर थे और इस्राएल की इन विशेष वाचाओं से बाहर थे। जैसा कि हम देख चुके हैं, भविष्यवक्ताओं ने माना था कि अन्यजाति के लोग आदम और नूह की सार्वभौमिक वाचाओं के अधीन थे। उन वाचाओं की न्याय और छुटकारे की मूल संरचना सारे राष्ट्रों पर लागू थी। परन्तु इसके साथ-साथ पुराने नियम के दिनों में, जो वाचायी समुदाय से बाहर थे या परमेश्वर के साथ इस्राएल के विशेष वाचायी संबंध से बाहर थे, वे लोग उद्धार पाने की संभावना से रहित थे। उनके पाप ने उन्हें संसार में आशारहित छोड़ दिया था।

इफिसियों की पुस्तक में पौलुस ने अन्यजातियों के विषय में इस प्रकार कहा। इफिसियों 2:11-12 में वह ये शब्द कहता है:

> इस कारण स्मरण करो, कि तुम जो शारीरिक रीति से अन्यजाति हो। तुम लोग उस समय मसीह से अलग और इस्राएल की प्रजा के पद से अलग किए हुए, और प्रतिज्ञा की वाचाओं के भागी न थे, और आशाहीन और जगत में ईश्वररहित थे। (इफिसियों 2:11-12)

पुराने नियम के दिनों में अन्यजाति के राष्ट्रों की यह दशा थी। वे, कुछ अपवादों को छोड़कर, वाचा से बाहर थे, और उस उद्धार की संभावना से दूर थे जो इस्राएल के साथ की गई वाचाओं से प्राप्त होता था।

दृष्टिगोचर वाचा

अधिकांश मसीहियों को यह समझने में ज्यादा कठिनाई नहीं होती कि अन्यजातियों को वाचा से बाहर की श्रेणी में रखा गया है, परन्तु मैंने यह पाया है कि मुश्किलें तब पैदा होने लगती हैं जब भविष्यवणिय परिदृश्य में दूसरी श्रेणी के लोगों की ओर बढ़ते हैं — अर्थात् वे लोग जो इस्राएल के दृष्टिगोचर समुदाय के अंग हैं। जब हम दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय के बारे में बात करते हैं, तो हमारे मन में वे सब आते हैं जो पुराने नियम के दिनों में इस्राएल राष्ट्र के अंग थे। इस श्रेणी में वे सभी शामिल थे जो सच्चे विश्वासी थे, और वे भी जो सच्चे विश्वासी नहीं भी थे। शायद इस वाचायी श्रेणी का परिचय देने का एक सर्वोत्तम तरीका पुराने प्रोटेस्टेंट धर्मविज्ञान की ओर मुड़ना है।

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

यद्यपि पुराने प्रोटेस्टेंट लोगों ने भविष्यवक्ताओं से भिन्न शब्दों का इस्तेमाल किया, परन्तु पहले से ही प्रोटेस्टेंट धर्मविज्ञानियों ने कलीसिया का वर्णन वैसे ही किया है जैसे भविष्यवक्ताओं ने इस्राएल के वाचायी समुदाय के बारे में सोचा था। यहां मेरे मन में "दृष्टिगोचर कलीसिया" का पारंपरिक पदनाम है। दुर्भाग्यवश, आज यह शब्द ज्यादा इस्तेमाल नहीं होता, इसलिए हमें यह देखना जरूरी है कि पुराने प्रोटेस्टेंट लोगों का "दृष्टिगोचर कलीसिया" से क्या अर्थ था। विश्वास का वेस्टमिनस्टर अंगीकरण अध्याय 25, अनुच्छेद 1 में "दृष्टिगोचर कलीसिया" का वर्णन इस प्रकार करता है:

> दृष्टिगोचर कलीसिया में संसार के वे सभी और उनके बच्चे शामिल होते हैं जो सच्चे धर्म का और प्रभु यीशु मसीह के राज्य, परमेश्वर के घराने और परिवार का अंगीकरण करते हैं जिसके अतिरिक्त उद्धार की और कोई संभावना नहीं।

दृष्टिगोचर कलीसिया का विवरण हमें दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय की दो विशेषताओं की ओर सचेत करता है। पहला, दृष्टिगोचर कलीसिया में सच्चे विश्वासियों के अतिरिक्त लोग भी शामिल होते हैं। अनेक लोग जो कलीसिया में आते हैं वे बस मसीह का अनुसरण करने का दावा ही करते हैं, परन्तु ये गैरविश्वासी मसीही विश्वास के साथ अपने जुड़ाव के कारण संसार से अलग किए गए हैं। उन्होंने स्वयं को कलीसिया की सदस्यता में रखा है, परन्तु उन्होंने अनन्त रूप से अपने पापों से छुटकारा नहीं पाया है।

इससे बढ़कर, दृष्टिगोचर कलीसिया को दिए गए विशेष शीर्षकों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। यह सुनने में अजीब प्रतीत होता है, परन्तु पारंपरिक प्रोटेस्टेंट धर्मविज्ञान के अनुसार विश्वासियों और गैरविश्वासियों से मिश्रित दृष्टिगोचर कलीसिया को सही रूप में "कलीसिया," "राज्य," "परमेश्वर का घराना" और "परमेश्वर का परिवार" कहा जा सकता है। समकालीन मसीही शब्दावली में हम सामान्यतः ये शब्द उन लोगों के लिए प्रयोग करते हैं जिनको हम वास्तव में पुनः जन्म पाए हुए और स्वर्ग जाने वाले मानते हैं। परन्तु पारंपरिक धर्मविज्ञान के अनुसार ये शब्द आम शीर्षक हैं जो उन सबको शामिल करते हैं जो दृष्टिगोचर कलीसिया में शामिल होते हैं चाहे वे अनन्त रूप से छुटकारा पाए हुए हों या नहीं। जब हम पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं तो यह देखना मुश्किल नहीं है कि उन्होंने भी दृष्टिगोचर इस्राएल राष्ट्र के बारे में ऐसा ही सोचा था।

दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय की यह श्रेणी भविष्यवक्ताओं के अनेक अनुच्छेदों को समझने में सहायता करती है। उदाहरण के तौर पर होशे का पहला अध्याय उन शब्दों के स्पष्ट विरोधाभास को दिखाता है जिन्हें दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। 1:3-9 में होशे उत्तरी इस्राएल पर आने वाले बड़े श्रापों की घोषणा करता है। वह यह कार्य अपने तीन बच्चों को ऐसे नाम देने के द्वारा करता है जो नाम बहुत बड़े श्रापों को दर्शाते हैं। उसने येहू के दिनों में इस्राएल में हुए विनाश को याद करते हुए एक बच्चे का नाम यिज्रैल रखा। इस बच्चे ने दर्शाया कि परमेश्वर इस्राएल को नाश करने की चेतावनी दे रहा था। होशे ने अपने दूसरे बच्चे का नाम लोरूहामा रखा। उसके नाम का अर्थ था, "परमेश्वर द्वारा प्रेम न किए जाने वाला।" और इस संदर्भ में, प्रेम वह शब्द था जो परमेश्वर और उसके लोगों के बीच आशीष के सकारात्मक वाचायी संबंध का वर्णन करता था। इस बच्चे ने दर्शाया कि परमेश्वर की वाचायी आशीषें जल्द ही इस्राएल राष्ट्र से ले ली जाएंगी। होशे के तीसरे बच्चे का नाम लोअम्मी रखा गया, अर्थात् मेरे लोग नहीं। इस बच्चे ने इस चेतावनी को दर्शाया कि परमेश्वर इस्राएल के राष्ट्र से अपनी वाचायी आशीषों को दूर करने के द्वारा अपने लोगों को त्याग देगा।

इसके साथ-साथ होशे ने उन सबको भी आशा प्रदान की जो बंधुआई के परमेश्वर के दंड के अधीन आने वाले थे। भविष्यवक्ता ने इस्राएल राष्ट्र को आश्वासन दिया कि भूमि की पुनर्स्थापना एक दिन अवश्य होगी। इस आशा को बताने के लिए होशे ने उन भयानक नामों को याद किया जो उसने एक बार फिर अपने

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

बच्चों को दिए। अध्याय 1, पद 10 में वह कहता है कि यिज्रेल एक बार फिर से होगा, परन्तु इस बार उसका अर्थ यह नहीं है कि परमेश्वर अपने लोगों के विरूद्ध लड़ेगा। इसकी अपेक्षा परमेश्वर इस्राएल के शत्रुओं के विरूद्ध लड़ेगा। इससे बढ़कर जब परमेश्वर बंधुआई के बाद इस्राएलियों को उनकी भूमि में लौटाता है, तो वह 2:1 के अनुसार उनका नाम बदलकर रूआमा रख देगा, अर्थात् "परमेश्वर द्वारा प्रेम किए जाने वाले।" उस दिन, जिन्हें कहा गया था "मेरे लोग नहीं," उन्हें अम्मी कहा जाएगा, अर्थात् "मेरे लोग।"

यह देखना महत्वपूर्ण है कि होशे दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय के विषय में विरोधाभासी शब्दों में बात करता है। पवित्रशास्त्र का शेष भाग इस बात को स्पष्ट कर देता है कि होशे इन लोगों के बारे में ऐसे नहीं बताता है कि उनके पास उद्धार था जो उन्होंने खो दिया और फिर पुनः प्राप्त कर लिया। इसकी अपेक्षा, यह वाचायी भाषा है। इन विशेष शीर्षकों के साथ होशे यह घोषणा कर रहा है कि परमेश्वर अपनी वाचायी आशीषों को हटा लेगा परन्तु फिर एक दिन अपनी वाचा को नया करेगा और इस्राएल परमेश्वर की आशीषों को पुनः प्राप्त करेगा।

ऐसे कई शब्द हैं जिनका प्रयोग हम केवल सच्चे विश्वासियों के लिए करते हैं, परन्तु उन्हीं शब्दों का प्रयोग भविष्यवक्ताओं ने इस्राएल के दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय के लिए किया था। जब हम "अलग किए गए" या "चुने गए" जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं तो सामान्यतः हमारा अर्थ उद्धार के लिए अलग किए गए लोगों से होता है। परन्तु भविष्यवक्ताओं का प्रायः यह अर्थ नहीं था। इसकी अपेक्षा, उन्होंने "अलग किए गए" या "चुने गए" जैसे शब्दों का प्रयोग उन लोगों का वर्णन करने के लिए किया जो दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय के भाग थे, फिर चाहे वे सच्चे विश्वासी हों या न हों। इसी कारणवश, यशायाह 14:1 में हम इन शब्दों को पढ़ते हैं :

> यहोवा याकूब पर दया करेगा, और इस्राएल को फिर अपनाकर, उन्हीं के देश में बसाएगा। **(यशायाह 14:1)**

ध्यान दें कि यशायाह ने कहा था कि इस्राएल एक बार फिर से चुना जाएगा। चाहे यह सुनने में हमें कितना भी अजीब प्रतीत होता हो, भविष्यवक्ताओं की भाषा में लोग परमेश्वर के द्वारा चुने, त्यागे और पुनः चुने जा सकते हैं। यह इसलिए होता है क्योंकि भविष्यवाणी के शब्दों में परमेश्वर द्वारा चुना जाना उद्धार के लिए चुना जाना नहीं बल्कि वाचायी आशीषों के लिए चुना जाना होता है। चुने हुए लोग वे हैं जो दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय के भाग थे, और उस समुदाय में विश्वासी और अविश्वासी दोनों सम्मिलित होते हैं। नए नियम में भी कई बार चुने जाने का प्रयोग भी इसी प्रकार किया जाता है। जब यीशु यूहन्ना 6:70 में कहता है :

> क्या मैं ने तुम बारहों को नहीं चुन लिया? तौभी तुम में से एक व्यक्ति शैतान है। **(यूहन्ना 6:70)**

यीशु यहूदा और अन्य प्रेरितों को आशीष के एक विशेष वाचायी संबंध में बुलाने के बारे में कहता है। वहां वह अनन्त उद्धार की बात नहीं करता है।

अदृश्य वाचा

अब हम लोगों के तीसरे समुदाय की ओर आते हैं जिनसे भविष्यवक्ताओं ने व्यवहार किया था: अदृश्य वाचायी समुदाय। एक बार फिर पारंपारिक प्रोटेस्टेंट धर्मविज्ञान इस क्षेत्र में हमें कुछ सहायता प्रदान

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

करता है। दृष्टिगोचर कलीसिया में एक विशेष समूह होता है जिसे “अदृश्य कलीसिया” के रूप में जाना जाता है। विश्वास के वेस्टमिंस्टर अंगीकरण के अध्याय 25, अनुच्छेद 1 की भाषा में अदृश्य कलीसिया:

> चुने हुए सब लोगों की बनी होती है जो प्रधान मसीह के अधीन एकत्रित किए गए हैं, किए जाते हैं या किए जाएंगे; और वह उसकी दुल्हन है, देह है और पूर्णता है जो सब में सब कुछ को पूरा करता है।

इस अंगीकारी कथन में अदृश्य कलीसिया का वर्णन परमेश्वर के दृष्टिकोण से किया गया है। इसे उस अनन्त दृष्टिकोण से परिभाषित किया गया है जब उद्धार के विश्वास में आने वाले सारे मनुष्य परमेश्वर की आशीष में अनन्तता को बिताएंगे।

अदृश्य कलीसिया के इस विवरण से हम कम से कम दो आधारभूत विचारों को देख सकते हैं। पहला, अदृश्य कलीसिया केवल सच्चे विश्वासियों से बनी होती है। ये सच्चे विश्वासी दृष्टिगोचर कलीसिया में ही होते है, परन्तु उन्होंने उद्धार के विश्वास को क्रियान्वित किया है और उसके परिणामस्वरूप वे अदृश्य कलीसिया के छोटे समुदाय में प्रवेश करते हैं। दूसरा, हम देख सकते हैं कि अदृश्य कलीसिया के पास उद्धार की एक सुरक्षित मंजिल होती है। क्योंकि इन लोगों ने अपने हृदयों को मसीह की सेवा के लिए दिया है इसलिए उनका उद्धार अंत तक सुनिश्चित रखा जाएगा।

प्रेरित पौलुस ने इस्राएल राष्ट्र के भीतर ही दृष्टिगोचर और अदृश्य वाचायी समुदाय के बीच इस प्रकार के अंतर की ओर संकेत किया है। रोमियों 9:6 और *7* में वह इन शब्दों को कहता है:

> जो इस्राएल के वंश हैं, वे सब इस्राएली नहीं। और न इब्राहीम के वंश होने के कारण सब उस की सन्तान ठहरे। (रोमियों 9:6-7)

पौलुस का विचार यह है — अब्राहम की भौतिक सन्तान होना किसी को इस्राएल राष्ट्र का भाग तो बना सकता है, परन्तु यह उद्धार पाने के लिए पर्याप्त नहीं है। अब्राहम की सच्ची सन्तान के पास अब्राहम के समान उद्धार देने वाला विश्वास होना जरूरी है। इसी कारणवश, हम इस्राएल के भीतर ही एक अन्य इस्राएल के बारे में कह सकते हैं — अर्थात् परमेश्वर के लोगों के दृष्टिगोचर समुदाय के भीतर परमेश्वर के अदृश्य, छुटकारा पाए हुए लोग।

अदृश्य कलीसिया का यह विचार पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के विचार के समान है। उन्होंने इस्राएल राष्ट्र की ओर देखा और विश्वास किया कि उसमें एक अदृश्य वाचायी समुदाय था। इस्राएल राष्ट्र के भीतर के कुछ लोग हमेशा विश्वासयोग्य रहे, वे बचे हुए विश्वासयोग्य लोग थे क्योंकि उन्होंने उद्धार देने वाले अपने विश्वास को क्रियान्वित किया था। उनकी अनन्त मंजिलें तब भी सुरक्षित थीं जब पूरा राष्ट्र परमेश्वर की ओर से भयंकर दण्ड के समय से होकर गया था। दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय के भीतर छुड़ाए गए लोगों की विशिष्टता भविष्यवक्ताओं के लेखनों में पाए जाने वाले अनुच्छेदों की संख्या से स्पष्ट हो जाती है।

बार-बार भविष्यवक्ताओं ने दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय के मात्र भौतिक इस्राएलियों और सच्चाई से पश्चाताप किए हुए अदृश्य समुदाय के सच्चे विश्वासियों, जिनकी मंजिलें अनन्त रूप से सुनिश्चित थीं, के बीच अंतर स्पष्ट किया है। उदाहरण के तौर पर यिर्मयाह 4:4 में हम यहूदा के दृष्टिगोचर राष्ट्र को संबोधित किए गए इन शब्दों को पढ़ते हैं :

> हे यहूदा के लोगो और यरूशलेम के निवासियो, यहोवा के लिये अपना खतना करो; हाँ, अपने मन का खतना करो; नहीं तो तुम्हारे बुरे कामों के कारण मेरा क्रोध आग की नाई भड़केगा। **(यिर्मयाह 4:4)**

जब यिर्मयाह ने यहूदा राष्ट्र में सेवा की थी तो इस्राएल के सभी पुरूषों का भौतिक रूप से खतना किया गया था। इसी कारणवश वे और उनके परिवार दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय में थे। परन्तु इसके साथ-साथ यिर्मयाह यह भी जानता था कि यहूदा के अधिकांश लोगों के हृदय परमेश्वर के साथ सही नहीं थे। इसलिए उसने उन्हें उत्साहित किया कि वे सच्चे विश्वास के साथ अपने हृदयों का खतना करवाने के द्वारा परमेश्वर के क्रोध से बचें।

यहेजकेल भविष्यवक्ता भी इस अंतर को बहुत स्पष्टता से दर्शाता है। यहेजकेल 18:31 में उसने यह कहा :

> अपने सब अपराधों को जो तुम ने किए हैं, दूर करो; अपना मन और अपनी आत्मा बदल डालो! हे इस्राएल के घराने, तुम क्यों मरो? **यहेजकेल 18:31**

यहेजकेल ने उन लोगों से बात की जो इस्राएल की भौतिक सन्तान थे, पर इसका अर्थ यह नहीं था कि वे अनन्त जीवन के लिए छुटकारा पाए हुए लोग थे। इसीलिए भविष्यवक्ता हृदय के सच्चे पश्चाताप की बुलाहट देता है।

जब कभी भी हम पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं तो हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि उन्होंने वाचा के साथ संबंध में उद्धार को कैसे समझा था। वाचा में रहना छुटकारा पाने या अनन्त रूप से उद्धार पाने के समान नहीं था। जब पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने लोगों को श्रेणियों में बांटा तो उन्होंने सबसे पहले अन्यजातियों के बारे में सोचा जो इस्राएल के दृष्टिगोचर राष्ट्र से बाहर थे। ये लोग जब तक इस्राएल में आकर उसके परमेश्वर में उद्धार को प्राप्त नहीं कर लेते तब तक वे उद्धार और आशारहित थे।

अब भविष्यवक्ता जानते थे कि इस्राएल का दृष्टिगोचर राष्ट्र परमेश्वर की निगाहों में बहुत ही खास था। इसमें इस्राएल की सभी भौतिक संतानें और वे लोग ही शामिल थे जिन्होंने स्वयं को इस्राएल के धर्म से बहुत ही नजदीकी से जोड़ा हुआ था। दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय में सच्चे विश्वासी और अविश्वासी दोनों शामिल थे, परन्तु फिर भी यह वह समुदाय था जिसे अब्राहम, मूसा और दाऊद की वाचाओं की आशीषों और जिम्मेदारियों को पाने के लिए चुना गया था। यह वह क्षेत्र था जिसमें लोग उद्धार को प्राप्त करेंगे।

इससे बढ़कर, एक तीसरी श्रेणी ने भी भविष्यवक्ताओं की विचारधारा को प्रभावित किया। भविष्यवक्ता जानते थे कि इस्राएल राष्ट्र के भीतर ही एक अदृश्य समुदाय था। ये परमेश्वर के लोगों में से कुछ चुनिंदा धर्मी लोग थे, अर्थात् वे विश्वासयोग्य लोग जिन्होंने वास्तव में विश्वास किया था। हालांकि उन्हें मुश्किल समयों से होकर जाना पड़ा, और वे चुनिंदा लोग सिद्ध नहीं थे, परन्तु फिर भी उन्होंने अब्राहम के समान यहोवा पर भरोसा किया था और केवल उनके विश्वास के द्वारा उन्हें धर्मी ठहराया गया था।

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।

उपसंहार

जब कभी भी हम भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं तो हमें इन विशिष्टताओं को ध्यान में रखना चाहिए: वाचा से बाहर के लोग, दृष्टिगोचर वाचायी राष्ट्र, और अदृश्य वाचायी लोग। यदि हम इन विशिष्टताओं को न भूलें तो हम काफी असंमजस को दूर कर सकते हैं और हम भविष्यवक्ताओं के संदेश की गहराई के विचारों को जान सकते हैं।

इस अध्याय में हमने भविष्यवक्ताओं द्वारा वाचा के लोगों को समझने के तरीके से संबंधित कई विषयों को छुआ है। हमने देखा है कि सब लोग आदम और नूह की वाचाओं के माध्यम से प्रभु से जुड़े हुए थे। परन्तु फिर, अब्राहम, मूसा, दाऊद की वाचाओं और मसीह में नई वाचा के कारण इस्राएल का परमेश्वर के साथ बहुत ही खास संबंध था। और फिर हमने यह भी ध्यान दिया है कि भविष्यवक्ताओं ने कुछ विशिष्टताएं प्रकट की थीं जो हम नहीं करते हैं। उन्होंने संसार में तीन प्रकार के लोगों के बारे में सोचा था: वे जो वाचा से बाहर हैं, वाचा में पाए जाने वाले अविश्वासी, और फिर वे जो वाचा के भीतर सच्चे विश्वासी थे। जब हम इन विशिष्टताओं को याद करते हैं और देखते हैं कि किस प्रकार भविष्यवक्ताओं ने परमेश्वर के लोगों को समझा था तो हम आज हमारे संदर्भ मे भी भविष्यवक्ताओं के वचनों को समझकर लागू कर पाएंगे।

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।